GENIUS HIGH SCHOOL - BHONGIR

Class: VIII Sub : Hindi Marks: 10

I निम्न लिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5m

हमें जीने के लिए तीन चीजों की आवश्यकता है - रोटी, कपड़ा और मकान। खाने की चीजें जैसे अनाज, तरकारी आदि हमें किसान देते हैं। किसान गाँवों में रहते हैं। वे पहले खेत जोतते हैं और बीज बोते हैं। बाद में पानी और खाद से सिंचाई करते हैं। थोड़े ही दिनों में फसल उगती है उसे काटकर गाड़ियों में लादकर दुकानों को भेजते हैं। वहाँ से हम अनाज खरीद कर खाते हैं।

1. हमें जीने के लिए किन-किन चीजों की जरूरत है?
2. किसान कहाँ रहते हैं?
3. खाने की चीजें हमें कौन देता है?
4. हम अनाज को कहाँ से खरीदते हैं?
5. फसल को काटकर गाड़ियों में लादकर कहाँ भेजते हैं?

II ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-*** 5 5m

बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थीं आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर अवश्य ज़िद पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ़्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था। आखिर सुहाग के जोड़े का महत्त्व ही और होता है। मुझे याद है, मेरे मामा के यहाँ किसी लड़की के विवाह पर जरा-सी किसी बात पर बिगड़ गया था और फिर उसको मनाने में लोहे लग गए थे। विवाह में इसी जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रुपये जो मिलते सो अलग।

1. निम्न लिखित गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?
2. मनिहार शब्द का अर्थ क्या है? मनिहार किसे कहते हैं?
3. बदलू की बनाई चूड़ियों की खपत अधिक क्यों थी?
4. वस्तु विनिमय से आप क्या समझते हैं?
5. विवाह के जोड़े का मूल्य क्या था?

GENIUS HIGH SCHOOL – BHONGIR

Class : IX Sub: Hindi Marks : 10

I. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5m

हमारी देशभक्ति धूल को माथे से न लगाए तो कम-से-कम उस पर पैर तो रखे। किसान के हाथ-पैर, मुँह पर छाई हुई यह धूल हमारी सभ्यता से क्या कहती है? हम काँच को प्यार करते हैं, धूलि भरे हीरे में धूल ही दिखाई देती है, भीतर की कांति आँखों से ओझल रहती है, लेकिन ये हीरे अमर हैं और एक दिन अपनी अमरता का प्रमाण भी देंगे। अभी तो उन्होंने अटूट होने का ही प्रमाण दिया है–"हीरा वही घन चोट न टूटे।" वे उलटकर चोट भी करेंगे और तब काँच और हीरे का भेद जानना बाकी न रहेगा। तब हम हीरे से लिपटी हुई धूल को भी माथे से लगाना सीखेंगे।

1. लेखक देशभक्ति का हवाला देकर हमसे क्या अपेक्षा रखता है?
2. 'हमें धूलि भरे हीरे में धूल दिखाई देती है' – व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।
3. अमर हीरे किन्हें कहा गया है?
4. 'हीरा वही घन चोट न टूटे' का आशय स्पष्ट कीजिए
5. अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

II निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5m

वर्तमान शिक्षा-प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप सिद्ध हो रही है। शिक्षा मनुष्य को सुसंस्कृत एवं स्वावलंबी बनाने का साधन होना चाहिए, किंतु वर्तमान शिक्षा में यह गुण नहीं है। आज का सुशिक्षित युवक वर्ग न केवल दूसरों के लिए, बल्कि स्वयं अपने लिए भी दुखदायी बन रहा है। देश में बेरोज़गार इंजीनियरों, वकीलों, वैज्ञानिकों तथा डॉक्टरों की विशाल संख्या देश के लिए अभिशाप बन गई है। शिक्षा ने उनमें 'सादा जीवन, उच्च विचार' और सेवा-वृत्ति उत्पन्न नहीं की। अन्यथा वे गाँवों को स्वर्ग बनाकर राष्ट्र-हित कर पाते, देश की सच्ची सेवा कर पाते।

वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में नगरोचित तत्त्वों की प्रधानता है, जबकि भारत माता ग्रामवासिनी है। ग्राम-विकास की योजनाओं को शहरी शिक्षण तत्त्व कैसे पूरा कर सकते हैं? उलटा इससे गाँव की ओर से विमुखता ही जाग्रत हुई है।

भारत जनतंत्र का उपासक है। यह जीवन-शैली भारत ने अपनाई है। जनता की शिक्षा का माध्यम जनता की भाषा होनी चाहिए। विदेशी भाषा के माध्यम से भारत का नागरिक विदेशी आचार-विचार, रहन-सहन, जीवन-पद्धतिं, सभ्यता और संस्कृति को ग्रहण करेगा। हम उपनिषदों और वेदों का आदर इसलिए नहीं करते कि वे हमारे दर्शन-ग्रंथ हैं, ज्ञान के आगार हैं, अपितु इसलिए करते हैं कि मैक्समूलर और ब्लावेट्स्की ने इनकी प्रशंसा की है। हम अपने दर्शन-ग्रंथों को संस्कृत में नहीं, अंग्रेज़ी के माध्यम से पढ़कर गौरवान्वित होते हैं।

1. वर्तमान शिक्षा-प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप कैसे सिद्ध हो रही है?
2. वर्तमान शिक्षा-प्रणाली ने युवक वर्ग पर क्या प्रभाव डाला है?
3. वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में किन तत्वों की प्रधानता है? इसका क्या परिणाम हुआ
4. शिक्षा का माध्यम जनता की भाषा ही क्यों होनी चाहिए?
5. विदेशी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने से क्या प्रभाव पड़ेगा?